दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 24.03.2023

प्रकाशनार्थ

दिनांक 24.03.2023 गोरखपुर। महाविद्यालय के **राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों द्वारा महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई के विशेष सप्तदिवसीय शिविर का उद्घाटन मीराबाई छात्रावास स्थित महन्त दिग्विजयनाथ सभागार में हुआ।** इस कार्यक्रम में **मुख्य अतिथि प्रो. सरिता पाण्डेय, आचार्य शिक्षाशास्त्र विभाग, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** ने अपने उद्बोधन में कहा कि विशेष सप्तदिवसीय शिविर के निर्धारित परियोजना स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत जनजागरूकता अभियान भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर 02 अक्टूबर 2014 को प्रारम्भ हुआ था। स्वच्छता, पर्यावरण, जीव सुरक्षा ये तीनों महात्मा गॉधी के प्रिय विषय थे। स्वच्छता को प्रभावी व स्थायी बनाने के लिए जरूरी है कि वह सभी नागरिकों के आदत, स्वभाव और व्यवहार का हिस्सा बनें। जीने का तरीका स्वच्छता पर आधारित हो, सोचने का तरीका स्वच्छता पर केन्द्रित हो, बहुत से लोग व्यक्तिगत सफाई, एवं परिसर की सफाई पर स्व्यं बहुत ध्यान देते है, लेकिन सार्वजनिक एवं सामुदायिक सफाई के प्रति उदासीन रहते हैं। इस मानसिकता में बदलाव लाने के लिए आप सभी स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं को सप्त दिवसीय शिविर के सातो दिन मिलकर दूर करने के लिए सार्थक कार्य करना होगा तभी इस शिविर का उद्देश्य पूर्ण हो पायेगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय की एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है जिसे औपचारिक रूप से 24 सितम्बर 1969 को प्रारम्भ किया गया था। **राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य है 'मैं नही हम'** आप सभी स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं को इस प्रकार के सप्तदिवसीय शिविर में साथ–साथ रहने, साथ–साथ कार्यक्रम करने, साथ–साथ भोजन करने, अपने आचार एवं विचारों को आपस में साझा करने का ज्ञान प्रदान करती है, जिससे आपके अन्दर मैं की भावना समाप्त होती है एवं हम की भावना जागृति करने में अहम भूमिका प्रदान करती है। आप शिविर में सात दिनों में जो सीखेंगे वह भविष्य में समाज सेवा कार्य तथा आपके जीवन शैली में अनेक प्रकार का परिवर्तन लायेगा। आपका दायित्व है कि सप्त दिवसीय शिविर के सातो दिनों में चुने हुए मलिन बस्ती में जायेंगे और लोगों को वर्तमान समय की तमाम बीमारियों एवं समस्याओं के प्रति जागरूक करने का कार्य करेंगे।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में आगत अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती एवं महापुरूषों के चित्र पर पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। **सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत स्वयं सेविका खुशी राव** द्वारा एवं **ओ सांवरे बोल पर भक्ति गीत स्वयं सेवक बबलू यादव** द्वारा, **ऐ मेरे वतन के लोगों, जरा आंख में भर लो पानी बोल पर देश भक्ति गीत स्वयं सेविका अंजलि जायसवाल** द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम की प्रस्ताविकी वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत की गयी। जिसमें सप्त दिवसीय शिविर के सातों दिन के चलने वाले क्रिया कलापों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा रखी गयी। **मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ देकर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार यादव द्वारा स्वागत** किया गया। **कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पीयूष कुमार सिंह ने तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि राय द्वारा** किया गया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के **मुख्य नियन्ता प्रो. धीरेन्द्र सिंह, डॉ. विवेक शाही, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह, डॉ. सुनील कुमार सिंह, श्री राकेश कुमार, श्री कुलदीप शाही, श्री अजय शर्मा, श्री अश्वनी श्रीवास्तव, श्री अंकित पाण्डेय सहित श्री छत्रसाल स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं उपस्थित** थे।

डॉ.(संजय कुमार त्रिपाठी)
वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
मीडिया प्रभारी